



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

RESEARCH PAPERS IN NATIONAL/INTERNATIONAL PEER REVIEWED JOURNAL/ CONFERENCE PROCEEDINGS



YEAR : 2022-23



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

January To March 2023
E-Journal
Volume I, Issue XLI

RNI No. – MPHIN/2013/60631
ISSN 2320-8767, E-ISSN 2394-3793
Scientific Journal Impact Factor - 7.67

Naveen Shodh Sansar

(An International Refereed/ Peer Review Research Journal)

नवीन शोध संसार

Editor - Ashish Narayan Sharma

Office Add. "Shree Shyam Bhawan", 795, Vikas Nagar Extension 14/2, NEEMUCH (M.P.) 458441, (INDIA)
Mob. 09617239102, Email : nssresearchjournal@gmail.com, Website www.nssresearchjournal.com



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicbh@mp.gov.in

<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001



Naveen Shanti Bazar (An International Peer-Reviewed, Peer Review Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E-ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 7.671
January to March 2023, E-Journal, Vol. I, Issue XLI

Index

01. Index	02
02. Regional Editor Board / Editorial Advisory Board	08 / 09
03. Referee Board	10
04. Spokesperson	12
05. Physico-Chemical Analysis Around Soya Solvent Extraction Plant of Chhindwara (M.P.) India	14
(J.K. Wahane, S.K. Diwakar, O.N. Choubey)	
06. T.S. Eliot's Poetry and the Feeling of Restlessness in Modern Poetry (Dr. Seema Sharma)	16
07. A Comparative Study on the Perception of Customers Towards the Personal Loans with	18
Special Reference to Kotak Mahindra Bank (Private Sector) and the State Bank of India	
(Public Sector) (Dr. Dinesh Kumar Singhal, Shruti Singh Chouhan)	
08. Efficacy of Plant Oils to Key Store Grain Pest, <i>Oryzaephilus surinamensis</i> (L.)	22
(Kamini Verma, Surabhi Shrivastava)	
09. What Leaders Do in India: CSR Perspective (Dr. Anita Maheshwari)	24
10. "Bhasha Sangam" as a Significant Tool for Preserving Linguistic Diversity in India:	30
An Analytical Study (Namrata Pathania, Dr. Bhumander Singh Jaswal)	
11. Study of Role of Government in Supporting Students Pursuing Entrepreneurship as a Career	34
(Dr. Preeti Anand Udaipure)	
12. Importance of HR Analytics on Work-Life Balance of Employees (Juhi Joshi, Dr. D.D. Bedia)	39
13. Role of E-Commerce in Business (Dr. Archana Singhal)	42
14. Exploration of Factors for the Usage of E-Banking Services (Srasti Shukla)	45
15. The Aesthetics of Magic and Realism in the Works of Gabriel Garcia Marquez	50
(Shreya Karmakar, Dr. Radhashyam Dey)	
16. भारतीय समाज में वृद्धजनों की स्थिति की विवेचना (प्रो. भावना ठाकुर)	54
17. परिवर्तित होती खाद्य आवश्यकता एवं मूल्य संवर्धन (डॉ. कलिका डोलस)	59
18. महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध : कारण एवं निदान के उपाय (डॉ. ज्योति सिंह)	63
19. विधि के अधीन अभियुक्तों को प्रदत्त संरक्षण (डॉ. रितु उमाहिया)	65
20. कौटिल्य का समकालीन राजनीतिक परिदृश्यों में प्रासंगिक लोक कल्याणकारी एवं समाजसेवी राज्य का स्वप्न	69
(श्रीमती वर्षा चुण्डावत, डॉ. हेमन्त सिंह सारंगदेवोत)	
21. बाबू जगजीवन राम और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (सुमन कुमारी)	73
22. भारत में बढ़ती हुई बेरोजगारी की समस्या कारण, प्रभाव एवं निराकरण के उपाय (डॉ. पूजा तिवारी)	75
23. कौशल विकास पर जोर देती नई शिक्षा नीति (डॉ. शैलप्रभा कोष्टा)	77
24. रायगढ़ जिले में मत्स्यपालन विकास की संभावनाएं (डॉ. के.सी. गुप्ता, डॉ. सोफिया अम्ब्रेला, हरिहर मालाकार) ...	80
25. रेनवाटर हार्वेस्टिंग : इन्दौर जिले की जलापूर्ति का निदान (डॉ. प्रवीण शर्मा)	82
26. अंग्रेजों से पूर्व सड़क परिवहन (डॉ. प्रवीण ओझा)	85
27. थर्ड जेंडर एवं समाज (डॉ. श्रीमती सुनीला एक्का)	87
28. भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति का सामाजिक परिदृश्य (डॉ. बसंत नाग, एन.आर. साव)	89
29. एक संसाधन के रूप में समय व बेहतर समय प्रबंधन (जयश्री हरदेनिया)	91
30. संगीत शिक्षक, केन्द्रीय विद्यालय, दापोरिजो (अरुणाचल प्रदेश) टप्पा गायन (उपशास्त्रीय शैली)	93
(डॉ. निलांभ राव नलवडे)	

भारत में बढ़ती हुई बेरोजगारी की समस्या कारण, प्रभाव एवं निराकरण के उपाय

डॉ. पूजा तिवारी*

* सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (समाज शास्त्र) शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला चिन्दवाड़ा (म.प्र.) भारत

शोध सारांश - भारत एक विशाल जनसंख्या वाला राष्ट्र है, जनसंख्या जितनी तेजी से बढ़ रही है, व्यक्तियों का आर्थिक स्तर और रोजगार के अवसर उतनी ही तीव्रता से गिरते जा रहे हैं। भारत जैसे विकासशील देश में रोजगार की तलाश कर रहे व्यक्तियों की संख्या, साधनों और उपलब्ध अवसरों की संख्या से कहीं अधिक है। यही कारण है कि आज भी अधिकांश युवा बेरोजगारी में ही अपना जीवन व्यतीत करने के लिए विवश है।
शब्द कुंजी - बेरोजगारी, युवा वर्ग, विकास, सरकार।

प्रस्तावना - भारत में अन्य समस्याओं की तरह बेरोजगारी भी एक प्रमुख और गंभीर समस्या के रूप में उभर कर आयी है। बेरोजगारी का अर्थ है योग्यता और प्रतिभा के बावजूद रोजगार के अवसर पाने में नाकामयाब होना। हमारे देश में लाखों युवकों के पास डिग्री और अच्छी शिक्षा है फिर भी किसी कारणवश उन्हें नौकरी नहीं मिल पाती है।

प्रस्तुत शोध पत्र भारत में बढ़ती हुई बेरोजगारी की समस्या उसके कारण प्रभाव एवं निराकरण के उपाय पर केन्द्रित है।

बेरोजगारी समस्या के रूप में - बेरोजगार व्यक्ति वह होता है जो हर मुमकिन या नामुमकिन कार्य करना चाहता है, मगर दुर्भाग्यवश उसे काम, नौकरी नहीं मिल पाता है। देश के युवाओं के पास उच्च शिक्षा की अनेकों डिग्रियाँ होने के बावजूद भी उनकी क्षमता के अनुसार रोजगार नहीं मिलता, बेरोजगारी का आलम यह है कि छोटी से छोटी नौकरी हेतु भी उच्च शिक्षित लोग आवेदन करते हैं, इंटरव्यू के लिए लंबी कतारें बढ़ती बेरोजगारी को इंगित करती हैं।

बेरोजगारी के कई प्रकार होते हैं जिनमें संरचनात्मक, संघर्षात्मक प्रज्ञा, मौसमी, चक्रीय, शिक्षित, ग्रामीण, अल्प, नगरीय तथा औद्योगिकी बेरोजगारी का समावेश है।

बढ़ती बेरोजगारी की वर्तमान स्थिति - जून 2021 में बेरोजगारी की दर 9.17 प्रतिशत रही जबकि हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे ब्याह राज्यों में यह दर राष्ट्रीय औसत से तीन गुना तक ज्यादा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार बेरोजगारी की दर सर्वाधिक 27.9 प्रतिशत हरियाणा में है। राजस्थान में दर 26.9 प्रतिशत, बंगाल में 22.1 प्रतिशत, बिहार में 10.5 प्रतिशत, झारखंड में 12.8 प्रतिशत है। बेरोजगारी दर का अर्थ यह है कि कितने लोग काम चाहते हैं और उनमें से कितने लोगों को काम नहीं मिला है। बेरोजगारी की दर क्षम शक्ति का वह प्रतिशत है जो बिना कार्य के है। बेरोजगारी के मुख्य कारणों में जनसंख्या वृद्धि दर, दोषपूर्ण आर्थिक नियोजन, ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योगों का विकास

नहीं होना, शहरी - ग्रामीण प्रवजन, अनुपयुक्त तकनीक दोषपूर्ण + शिक्षा प्रणाली, वृद्धिपूर्ण सामाजिक प्रणाली, निर्धनता स्वरोजगार के कम साधन, क्षेत्रीय असमानताएं, अपर्याप्त रोजगार, आयोजन, फुटकर कारण तथा तृतीयक क्षेत्र की धीमी गति आदि शामिल हैं।

हमारे देश में बढ़ती हुई बेरोजगारी दुष्प्रभाव सबसे अधिक युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है, आई.एच.डी. और दिल्ली सरकार के एक साक्षा अर्थ ने बताया कि दिल्ली में 52 प्रतिशत लोग पिछले पांच वर्षों से भीख मांगने वाले बिखारी बनने पर मजबूर हैं, इसका मुख्य कारण बेरोजगारी है। इस वर्ष पहली तिमाही में बेरोजगारी की दर 20.9 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, दिल्ली में करीब 28,000 बिखारी हैं, जिसमें एम.बी.ए. जैसी उच्च शिक्षित व्यक्ति भी शामिल हैं। इनमें 67 प्रतिशत व्यक्ति पड़ोसी राज्यों के हैं, इसके अलावा बेरोजगारी के कारण ही डिप्रेशन, आत्महत्या चोरी हत्या जैसे संगीन अपराधों में भी वृद्धि देखी गई है।

बेरोजगारी की समस्या को दूर करने हेतु कई प्रयास किए जा सकते हैं और किये भी जा रहे हैं इनमें शिक्षा प्रणाली में बदलाव, छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन, रोजगार कार्यालय, ग्रामीण विकास योजनाएं, स्वसहायता समूह में वृद्धि, कृषि का पुनः निर्माण, तीव्र औद्योगिकीकरण, जनसंख्या नियंत्रण व्यावसायिक शिक्षा, सहायक उद्योगों का विकास, सामाजिक सेवाओं का विस्तार, विकेन्द्रीकरण, लघु कृषक विकास के अतिरिक्त सरकार के नीतिगत उपाय भी हैं यथा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना, ट्रायसेम, आई.आर.डी.पी. जवाहर रोजगार योजना, लघु कृषक विकास योजना, बीस सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम, ग्रामीण विकास कार्यक्रम तथा ग्रामीण भूमिहीन श्रमिक रोजगार, गारंटी प्रोग्राम आदि शामिल हैं।

भारत सरकार बेरोजगारी दूर करने तमाम योजनाओं के तहत आर्थिक मदद, कौशल विकास, पुनर्वास रोजगार देने का पूर्ण प्रयास कर रही है, ऐसे ही कदम पूरे राज्यों में भी उठाने की जरूरत है, ताकि बेरोजगारी की परेशानी उम्र भर का दर्द न बने।



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

International Journal of Microbial Science



ISSN (online): 2582-967X

Editor in Chief: Dr. D. Mubarak Ali

Email: info@theijms.com

Contact No.: +91 8788 383470

Website: <https://theijms.com/>

Vision: To transform each person into a researcher, writer, and publisher to sustain the universe.

Mission: Book Writing and Publication Campaign 5.

Date: 22st February 2023

To whomsoever it may Concern

This is to certify that **Dr. Kavita Chahal**, Ph.D. in Microbiology, CSIR-NET, Assistant Professor, Department of Botany, Government College Bichhua, Chhindwara, Madhya Pradesh, India, is an **Author** of a Textbook entitled 'Dairy Microbiology Choice Based Credit System (CBCS) 2019 Pattern Implemented from 2021-22 As per the syllabus by Savitribai Phule Pune University, Pune Applicable to all Indian Universities' published by International Journal of Microbial Science.

The details are as Follows,

Sr. No.	Name of the Paper	Year of Publication
01	Dairy Microbiology Choice Based Credit System (CBCS) 2019 Pattern Implemented from 2021-22 As per the syllabus by Savitribai Phule Pune University, Pune Applicable to all Indian Universities' ISBN: 978-93-93337-20-7	2023

During her tenure of work with us, we found her very sincere and hardworking and loyal to the assignment. We wish all the success for her future career.



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

Special features:

Will be available in United States, United Kingdom, Denmark, France, New Zealand, Japan, Brazil,
Canada, Mexico, India, Italy

Verified & approved by editorial board of International Journal of Microbial Science

Written by subject experts

Thanks and regards.



Rajesh Dhakane

Founder, International Journal of Microbial Science,
Assistant Professor,
Department of Microbiology,
Jayawantrao Sawant College of Commerce and Science,
Hadapsar, Pune, Maharashtra, India.

Paper Published by – Dr. Kavita Chahal



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

International Journal of Microbial Science



ISSN (online): 2582-967X

Editor in Chief: Dr. D. Mubarak Ali

Email: info@theijms.com

Contact No.: +91 8788 383470

Website: <https://theijms.com/>

Vision: To transform each person into a researcher, writer, and publisher to sustain the universe.

Mission: Book Writing and Publication Campaign 5.

Date: 22nd February 2023

To whomsoever it may Concern

This is to certify that **Dr.Kavita Chahal**, Ph.D, CSIR-UGC NET, ASRB-NET, Assistant Professor, Department of Botany, Government College Bichhua, Chhindwara, Madhya Pradesh, India, is an **Author** of a Textbook entitled '**Nanobiotechnology** Choice Based Credit System (CBCS) 2019 Pattern Implemented from 2021-22 As per the syllabus by Savitribai Phule Pune University, Pune Applicable to all Indian Universities' published by International Journal of Microbial Science.

The details are as Follows

Sr. No.	Name of the Paper	Year of Publication
01	Nanobiotechnology Choice Based Credit System (CBCS) 2019 Pattern Implemented from 2021-22 As per the syllabus by Savitribai Phule Pune University, Pune Applicable to all Indian Universities' ISBN: 978-93-93337-20-7	2023-2024

During her tenure of work with us, we found her very sincere and hardworking and loyal to the assignment. We wish all the success for his future career.



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

Special features:

Will be available in United States, United Kingdom, Denmark, France, New Zealand, Japan, Brazil,
Canada, Mexico, India, Italy

Verified & approved by editorial board of International Journal of Microbial Science

Written by subject experts

Thanks and regards.



Rajesh Dhakane

Founder, International Journal of Microbial Science,
Assistant Professor,
Department of Microbiology,
Jayawantrao Sawant College of Commerce and Science,
Hadapsar, Pune, Maharashtra, India.

Paper Published by Dr. Kavita Chahal



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

International Journal of Microbial Science



ISSN (online): 2582-967X

Editor in Chief: Dr. D. Mubarak Ali

Email: info@theijms.com

Contact No.: +918788383470

Website: <https://theijms.com/>

Vision: To transform each person into a researcher, writer, and publisher to sustain the universe.

Mission: Book Writing and Publication Campaign 3

Editorship Letter

Date: 28th May 2022

To,

Dr. Kavita Chahal,

Ph. D (Microbiology), B. Ed, CSIR-NET, (Life Science), ICAR-NET (Agr. Mb), Assistant Professor, Department of Botany, Government College Bichhua Chhindwara, Madhya Pradesh 480111,

Subject: Editorship letter for the international book entitled 'Fermentation Technology I and Agricultural Microbiology'

Dear Dr. Kavita Chahal,

Greetings from the International Journal of Microbial Science! We appreciate your contribution in the writing of international book entitled 'Fermentation Technology I and Agricultural Microbiology' the following details:

Title of Book: Fermentation Technology I and Agricultural Microbiology.

Authors:

Rajesh Dhakane,

M.Sc, UGC-CSIR NET, MH SET, GATE, ICAR NET, TOEFL, IARI, PET

Assistant Professor, Department of Microbiology, Jayawantrao Sawant College of Commerce and Science, Hadapsar, Pune, India.

Miss. Anuja Sudhakar Zate,

SET, M.Sc. (Microbiology)

Assistant Professor and Head, Department of Microbiology, Padmashri Manibhai Desai Mahavidyalaya, Uruli Kanchan, District-Pune, Maharashtra, India.



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

Mrs. Swati Masalkar-Shinde,

M.Sc.(Microbiology),

Assistant Professor, Department of Microbiology, Padmashri Manibhai Desai Mahavidyalaya, Uruli Kanchan, District-Pune, Maharashtra, India.

Dr. Amol Dhanyakumar Adhao,

Assistant Professor and Head, Department of Microbiology, Late Pushpadevi Patil Art's and Science College Risod, District-Washim, Maharashtra, India.

Dr. Vijay Upadhye,

Deputy Director, Center of Research for Development, Associate Professor, Parul University of Applied Science (PIAS), Parul University, PO Limda, Waghodia, Gujarat, India.

Deepa Ravi Hirani,

Associate Professor, Department of Microbiology and Coordinator, Department of Biotechnology, Elphinstone College, Dr. Homi Bhabha State University, Mumbai, Maharashtra, India.

Miss. Upasna Upadhyay,

Ph. D Scholar, Global Medical Educational Research Foundation (GMERF), Global Hospitals, Lakdikapul, Hyderabad, Telangana, India.

Editor:

Nitinkumar P. Patil,

Assistant Professor, PG Research, Department of Microbiology, Smt. Chandibai Himathmal Mansukhani College, Ulhasnagar, District Thane, Maharashtra, India.

Dr. Shilajit Barua,

Assistant Professor, Department of Microbiology, Vijaygarh Jyotish Ray College, Kolkata, India.

Dr. Mukund Shridhar Ambawade,

Coordinator & Assistant Professor, Department of Microbiology, The PGKM's Haribhai V. Desai College, Pune, Maharashtra, India.

Dr. Aparna S. Taware,

Assistant professor, Department of Botany, Deogiri College, Aurangabad, Pune, Maharashtra, India.



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

Publisher: My Rays Book Publication Center powered by International Journal of Microbial Science
ISBN: 978-93-93337-17-7,

Special features:

Will be available in United States, United Kingdom, Denmark, France, New Zealand, Japan, Brazil, Canada, Mexico, India, Italy

Verified & approved by editorial board of International Journal of Microbial Science

Written by subject experts

Availability:

1. United States: <https://www.amazon.com/dp/B0B1RJK8S1>
2. United Kingdom: <https://www.amazon.co.uk/dp/B0B1RJK8S1>
3. Denmark: <https://www.amazon.de/dp/B0B1RJK8S1>
4. France: <https://www.amazon.fr/dp/B0B1RJK8S1>
5. Spain: <https://www.amazon.es/dp/B0B1RJK8S1>
6. The Nederland: <https://www.amazon.nl/dp/B0B1RJK8S1>
7. Japan: <https://www.amazon.co.jp/dp/B0B1RJK8S1>
8. Brazil: <https://www.amazon.com.br/dp/B0B1RJK8S1>
9. Canada: <https://www.amazon.ca/dp/B0B1RJK8S1>
10. Mexico: <https://www.amazon.com.mx/dp/B0B1RJK8S1>
11. India: <https://www.amazon.in/dp/B0B1RJK8S1>
12. Italy: <https://www.amazon.it/dp/B0B1RJK8S1>
13. Australia: <https://www.amazon.com.au/dp/B0B1RJK8S1>



Rajesh Dhakane

Founder, International Journal of Microbial Science,
Assistant Professor,
Department of Microbiology,
Jayawantrao Sawant College of Commerce and Science,
Hadapsar, Pune, Maharashtra, India.

Published by - Dr. Kavita Chahal



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

International Journal of Microbial Science



ISSN (online): 2582-967X

Editor in Chief: Dr. D. Mubarak Ali

Email: info@theijms.com

Contact No.: +918788383470

Website: <https://theijms.com/>

Vision: To transform each person into a researcher, writer, and publisher to sustain the universe.

Mission: Book Writing and Publication Campaign 3

Editorship Letter

Date: 28th May 202

To,

Dr. Kavita Chahal,

Ph. D (Microbiology), CSIR-NET, (Life Science), ICAR-NET (Agricultural Microbiology),
Assistant Professor, Department of Botany, Government College Bichhua Chhindwara,
Madhya Pradesh 480111, India.

Subject: Editorship letter for the international book entitled '*Diagnostic Microbiology and Immunology*'

Dear Dr. Kavita Chahal,

Greetings from the International Journal of Microbial Science! We appreciate your contribution in the writing of international book entitled '*Diagnostic Microbiology and Immunology*' with the following details:

Title of Book: *Diagnostic Microbiology and Immunology*.

Authors:

Dr. Sudipta Banerjee,

Assistant Professor, Department of Microbiology, Jayawantrao Sawant College of Commerce & Science, Hadapsar, Pune, Maharashtra, India

Dr. Prasanna Srinivas. R,

Assistant Professor, Department of Microbiology,

M.S. Ramaiah College of Arts, Science and Commerce, Bengaluru City University,
Bengaluru, India.



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

Publisher: My Rays Book Publication Center powered by International Journal of Microbial Science

ISBN: 978-93-93337-31-3,

Special features:

Will be available in United States, United Kingdom, Denmark, France, New Zealand, Japan, Brazil, Canada, Mexico, India, Italy

Verified & approved by editorial board of International Journal of Microbial Science

Written by subject experts

Availability of books in different countries such as;

United States, United Kingdom, Denmark, France, Spain, The Nederland, Japan, Brazil, Canada, Mexico, India, taly, Australia.



Rajesh Dhakane

Founder, International Journal of Microbial Science,
Assistant Professor,
Department of Microbiology,
Jayawantrao Sawant College of Commerce and Science,
Hadapsar, Pune, Maharashtra, India.



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968, Email: hegcbicchh@mp.gov.in

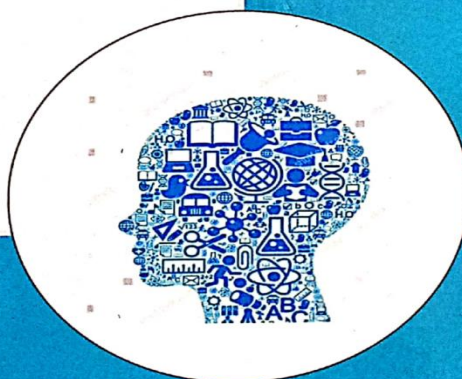
<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

INTERNATIONAL JOURNAL of ADVANCE and APPLIED RESEARCH



Publisher: P. R. Talekar
Secretary,
Young Researcher Association
Kolhapur(M.S), India

Young Researcher Association



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968, @ Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001


IJAAR

Vol.2 Issue-11

ISSN - 2347-7075

48	पुरुषप्रधान संस्कृती आणि स्त्री सक्षमीकरण	प्रा. डॉ. सुनंदा एम. चव्हे	137-139
49	स्त्री-पुरुष समानता शासन, प्रशासन व भूमिका	प्रा.वर्षा वैजनाथ चंदनशिखे	140-143
50	भारतीय क्रीडा संस्कृतीत महिलांचा सहभाग व योगदान व एक अध्ययन	डॉ. प्रा. यर्मन निनाये	144-146
51	भारतातील स्त्री उद्योजकता शक्ती	प्रा. जया सयाइंधू	147-150
52	महिला सशक्तिकरण पर शिक्षा का प्रभाव	डॉ. फरहत मंसूरी	151-153
53	भारतीय स्वातंत्र्य लढ्यातील क्रांतिकारक स्त्रिया	डॉ. संजीवनी चंद्रशेखर वागडाते	154-156
54	पुरुषप्रधान संस्कृति आणि महिलांचे सबलीकरण	प्रा. मनोहर आनंदराय गुड्डे	157-159
55	स्त्री संघर्षातून महिला सबलीकरण एक ऐतिहासिक मित्रावलीकन	प्रा. डॉ. नय्यु सितागम गिरडे	160-162
56	महिलांच्या विविध चळवळी व त्यांचे सक्षमीकरण सौ. अंजली भगवान पारधी, सौ. ज्योती संजय डेंचे, सौ. वेगाली सुधीर शिंदे, सौ. प्रतिभा प्रमोद लोंडम, सौ. भारती गोपाळ मोडक		163-165
57	पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं का योगदान	डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव	166-168
58	आधुनिक काळातील महिलांचे सक्षमीकरण आणि विविध चळवळी : एक दृष्टिक्षेप	प्रा. के. एम. लोखंडे	169-174
59	आधुनिक काळातील ग्रामीण महिलांचे / सक्षमीकरण	प्रा. डॉ. दिनकर रामेश्वर चौधरी	175-176
60	पुरुषप्रधान संस्कृती व महिलांचे सक्षमीकरण	डॉ. साधना जिवकार	177-179
61	पुरुषप्रधान संस्कृती आणि महिला सक्षमीकरण	प्रा. डॉ. मीना ग. संत	180-182

**International Journal of Advance
and Applied Research (IJAAR)**
Peer Reviewed Bi-Monthly



ISSN – 2347-7075
Impact Factor – 7.328
Vol.2 Issue.11 May-June 2022

महिला सशक्तिकरण पर शिक्षा का प्रभाव

डॉ. फरहत मंगूरी
सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.)
Email- farhat.man87@gmail.com

सारांश – शिक्षा एक ऐसा उपकरण है, जिससे आज महिला समाज में अपनी समान, उपयोगी एवं सशक्त भूमिका दर्ज करा सकती है। वर्तमान समय में दुनिया के समस्त शक्तिशाली एवं समृद्ध देश शिक्षा के बल पर ही आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान समय में जो महिला शिक्षित नहीं है, उन्हें शिक्षित कर के विकास की मुख्य धारा से जोड़ना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। “एक महिला को शिक्षित करने का अर्थ एक परिवार को शिक्षित करना” जब एक परिवार शिक्षित होता है, तो वह एक समाज को शिक्षित करने में अहम भूमिका निभाता है। समाज के विकास के लिए एक स्त्री का स्वस्थ, खुशहाल, बुद्धिमान, उत्तम, व्यवहार एवं शिक्षित होना आवश्यक है। जब स्त्री शिक्षित होती है, उसमें आत्मविश्वास का संचार होता है, इसी आत्मविश्वास के आधार पर एक महिला हर क्षेत्र में अपना परचम लहलाती है। शिक्षा प्राप्त कर एक नारी अपने आप को सशक्त मानते हुए आत्मविश्वास के साथ प्रगति के पथ पर आगे बढ़ती है, और सफलता हासिल करती है।

प्रस्तावना – महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण साधन है। शिक्षा प्राप्त कर महिला समाज में अपने अधिकारों के प्रति आज्ञा उठा सकती है। शिक्षित होने के कारण आज की महिलाएं जागरूक एवं सचेत हैं। वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्रों में भी साक्षरता के प्रति जोड़ मची है। राजनीति, फिल्म, फैशन जगत ने भी उन्हें प्रभावित किया है। आज की नारी का हर जगह पूर्ण वर्चस्व है, ऑफिस में, परिवार में, शिक्षा में, फैशन में, यू.कलना उचित होगा जीवन के प्रत्येक क्रियाकलाप में पुरुषों से कदम से कदम मिलाकर आगे चल रही हैं। स्त्रियों की शिक्षा के सम्बन्ध में पर्याप्त सुधार देखने को मिल रहे हैं। प्राचीन समय में स्त्रियों की शिक्षा का स्तर बहुत कम था, परन्तु वर्तमान समय में स्त्रियों शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही है। भारत में वर्ष 1951 की जनगणना की तुलना में वर्ष 2011 में महिलाओं की साक्षरता का प्रतिशत बढ़ा है। आज महिलाएं सामाजिक, व्यवसायिक, राजनितिक, वैज्ञानिक सभी प्रकार की शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। आज भारत में लगभग 20 प्रतिशत महिलाएं न्यायिक सेवा में महिला जज की भूमिका निभा रही हैं। स्त्री ने सेना में भी प्रवेश लिया है, महिला थाने खुल चुके हैं। भारत देश की प्रथम पुलिस सेवा अधिकारी श्रीमती किरण वेदी एक जानी-पहचानी हस्ती एवं महिलाओं को इस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए उनका आइडियल है। आज की महिला शिक्षा प्राप्त कर हर क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दे रही है।

शोध के उद्देश्य –

1. महिला शिक्षा की स्थिति की जानकारी प्राप्त करना।
2. भारत में महिला सशक्तिकरण की जानकारी प्राप्त करना।
3. महिला सशक्तिकरण पर शिक्षा के प्रभाव की जानकारी प्राप्त करना।
4. महिला सशक्तिकरण के लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करना।
5. शिक्षा एवं सशक्तिकरण में सहसम्बन्ध की जानकारी प्राप्त करना।

महिला शिक्षा की स्थिति की जानकारी

जनगणना वर्ष	व्यक्ति	पुरुष	महिलाएं	महिलाओं और पुरुषों की साक्षरता दर में अंतर
1951	18.33	27.16	8.86	18.30
1961	28.3	40.4	15.35	25.05
1971	34.45	45.96	21.97	23.98
1981	43.57	56.38	29.76	26.62
1991	52.21	64.13	39.29	24.84
2001	64.83	75.26	53.67	21.59
2011	74.04	82.14	65.46	16.68

Published by – Dr. Farhat Mansoori



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

Impact Factor-8.575 (SJIF)

ISSN-2278-9308

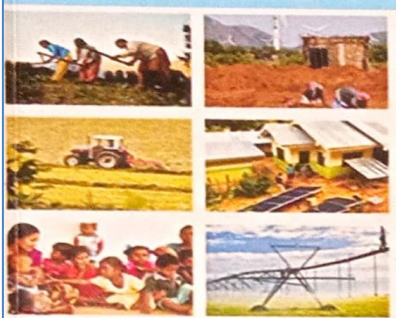
B..Aadhar

Peer-Reviewed & Referred Indexed

Multidisciplinary International Research Journal

August-2022

ISSUE No- (CCCLVIII) 358- A



Chief Editor

Prof. Virag S. Gawande
Director
Aadhar Social
Research & Development
Training Institute Amravati

Editor

Dr. Baliram Pawar
Head, Department of Sociology
Mahatma Phule College Kingaon Latur
Maharashtra

Editor

Dr. Manashi Gogoi Borgohain
Head, Department of Education
Nandalal Borgohain City College,
Dibrugarh, Assam



This Journal is indexed in :

- Scientific Journal Impact Factor (SJIF)
- Cosmos Impact Factor (CIF)
- International Impact Factor Services (IIFS)

For Details Visit To : www.aadharsocial.com

Aadhar PUBLICATIONS



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

B.Aadhar' International Peer-Reviewed Indexed Research Journal



Impact Factor -(SJIF) -8.575,

Issue NO, 358 (CCCLVIII) A

ISSN :
2278-9308
August,
2022

23	ग्रामीण विकास एवं महिला सशक्तिकरण	डॉ. फरहत मंसूरी	97
24	आदि काव्य "रामायण" में संगीत वाद्यों की प्रासंगिकता	डॉ. मोनिका दीक्षित	100
25	झारखण्ड में महिलाओं का कृषि क्षेत्र में योगदान डॉ. निधि सिंह , डॉ. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी , डॉ. सुलेखा जादौन		104

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicbh@mp.gov.in

<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>

75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

B.Aadhar' International Peer-Reviewed Indexed Research Journal



Impact Factor -(SJIF) -8.575.

Issue NO, 358 (CCCLVIII) A

ISSN :
2278-9308
August,
2022

ग्रामीण विकास एवं महिला सशक्तिकरण

डॉ. फरहत मंसूरी

सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.)

भारत सरकार के मंत्रालयों में से एक ग्रामीण विकास मंत्रालय है। यह मंत्रालय व्यापक कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करके ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति में बदलाव लाने के उद्देश्य से एक उत्प्रेरक मंत्रालय का कार्य करता आ रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, रोजगार सृजन, संरचना विकास तथा सामाजिक सुरक्षा है। ग्रामीण विकास से आशय एक ओर जहाँ लोगों का बेहतर आर्थिक विकास करना है, वहीं दूसरी ओर वृहद् सामाजिक परिवर्तन करना भी है। ग्रामीण लोगों को आर्थिक विकास की बेहतर संभावनाएं सुझाकर देने के उद्देश्य से ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में लोगों की उत्तरोत्तर भागीदारी सुनिश्चित करने, योजना का विकेंद्रीकरण करने, भूमि सुधार को बेहतर ढंग से लागू करने और ऋण प्राप्ति का दायरा बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण महिलाओं के विकास की लिए स्व सहायता समूह, बैंकों से उचित दामों में ऋण, महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लघु उद्योगों को बढ़ावा देना, कृषि उद्योग, संचार, शिक्षा, स्वास्थ्य पर विशेष बल दिया गया एवं सरकारी प्रयासों से ग्रामीण महिलाओं के विकास तथा सशक्तिकरण पर विशेष प्रयास किये गए। जिसके परिणाम स्वरूप ग्रामीण महिलायें आज आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त हैं।

मुख्य शब्द – महिला, ग्रामीण विकास, सशक्तिकरण, मंत्रालय

प्रस्तावना – भारत देश गावों का देश है। भारत की 70 % जनसंख्या आज भी गाँव में निवास करती है। भारत का विकास तभी संभव है, जब तक गाँव का विकास नहीं हो जाता। गाँव के विकास में हमारी आधी आबादी मतलब स्त्रियों का विकास के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन योजनाओं का लाभ ले कर ग्रामीण महिलाएं अपना एवं अपने परिवार का विकास कर रही हैं और सशक्त हो रही हैं। जब एक महिला का विकास होता है तो वह अपने परिवार का विकास करती है, और एक परिवार समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ग्रामीण विकास के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहा है और यह योजनाये ग्रामीण महिलाओं के विकास में नींव का पत्थर साबित हुई है।

शोध के उद्देश्य –

1. ग्रामीण विकास मंत्रालय की जानकारी प्राप्त करना
2. ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु 'महिला शक्ति केंद्र' के महत्व की जानकारी प्राप्त करना
3. ग्रामीण एवं शहरी समाज की महिलाओं की समस्याओं की जानकारी प्राप्त करना।
4. ग्रामीण विकास मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करना

भारत सरकार की एक शाखा ग्रामीण विकास मंत्रालय है। इस मंत्रालय को भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास को तेज करने का कार्य सौंपा गया है। इसका फोकस स्वास्थ्य, शिक्षा, पाइप से पेयजल, सार्वजनिक आवास और सड़कों पर है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बेहतर जीवन स्तर के लिए महत्वपूर्ण सामाजिक तथा आर्थिक संरचना के पांच कारकों की पहचान की गई- इन क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयासों को और बढ़ाने के लिए सरकार ने प्रधान मंत्री ग्रामीण योजना (पीएमजीवाई) शुरू की और ग्रामीण विकास मंत्रालय को प्रधान मंत्री योजना (पीएमजीवाई) के निम्नलिखित भागों को कार्यान्वित करने का दायित्व सौंपा- एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम

97

Website – www.aadharsocial.com

Email – aadharsocial@gmail.com

Published by - Dr. Farhat Mansoori



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001



Impact Factor : 7.109

ISSN 2349-364X

वेदाञ्जलि Vedanjali

अन्तर्राष्ट्रीय विद्वत्समीक्षित षाण्मासिकी शोधपत्रिका
(International Peer Reviewed Refereed Journal of Multidisciplinary Research)

वर्ष- १०

अंक- २०, भाग- २

जुलाई-दिसम्बर, २०२३

प्रधान सम्पादक
डॉ० रामकेन्द्र तिवारी

सह सम्पादक
श्री प्रभूत मिश्र



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968, @ Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

अनुक्रमणिका

♦ काशी के प्रमुख क्रांतिकारी और शहीद आदेश गुप्त	1-5
♦ काशी के भैरव अमिता वर्मा	6-11
♦ गोस्वामी श्री कृष्णचन्द्र विरचित आशास्तव में श्रीराधा का रूप-सौन्दर्य अजलि खटाणा व प्रो० योगेन्द्र कुमार	12-16
♦ कविवर डॉ० जगदीश प्रसाद सेमवाल के काव्यों में निहित पर्यावरण संरक्षण : एक समीक्षा अशुत	17-20
♦ बाजारवाद एक नई जीवन शैली का समीक्षात्मक अध्ययन आशुतोष तिवारी	21-24
♦ व्यंग्य का सामर्थ्य और उसकी सीमाएँ दीपक देव तिवारी व प्रोफेसर (डॉ०) धर्मेन्द्र कुमार शुक्ला	25-27
♦ "राघवेन्द्रचरितम्" महाकाव्य में वैदिक मूल्यों का प्रतिपादन डॉ० अंकिता त्रिपाठी	28-30
♦ कार्यमनुभवन् हि कार्यो निमित्ततया नाश्रीयते इति परिभाषायाः अवतरणविमर्शः डॉ० आस्तीक द्विवेदी	31-35
♦ हिन्दी साहित्य में शिक्षा, संस्कृति और समाज की भूमिका डॉ० भारती	36-39
♦ सफाई कार्य से मुक्ति के प्रयास और परिणाम डॉ० संजय कुमार राय	40-43
♦ कबीर की साहित्यिक उपादेयता का सामाजिक महत्त्व डॉ० संतोष कुमार सरोज	44-47
♦ जबलपुर जिले में कृषि भूमि का अध्ययन (एक भौगोलिक दृष्टिकोण) डॉ० आर०पी० यादव व डॉ० शाहिदा बेगम मंसूरी	48-52
♦ जयशंकर प्रसाद जी की काव्यगत विशेषताएँ डॉ० शोभा रतूडी	53-55
♦ राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृति में पशु-पक्षी डॉ० सुरेश सालवी	56-60
♦ समकालीन हिन्दी साहित्य में पौराणिक स्त्री पात्र : एक मूल्यांकन टी. त्रिवेणी	61-65
♦ जीवन संशय-समाधान में "श्रीमद्भगवद्गीता" डॉ० वन्दना देवी	66-69

Published by – R. P. Yadav and Shaheda Begam Mansoori



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicbh@mp.gov.in

<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

igi-global.com/book/green-chemistry-development-eco-friendly/281731

IGI Global
PUBLISHER of TIMELY KNOWLEDGE

kavita chahal Language: English US China Cart

Search title, author, ISBN... All Products

Books Journals e-Collections Open Access Publish with Us Resources Catalogs About Us Newsroom Special Offers

Green Chemistry for the Development of Eco-Friendly Products

Kavita Shakya Chahal (Government College, Bichhua, India) and Twinkle Solanki (Government College, Bichhua, India)

Release Date: June, 2022 | Copyright: © 2022 | Pages: 276
DOI: 10.4018/978-1-7998-9851-1
ISBN13: 9781799898511 | ISBN10: 1799898512 | EISBN13: 9781799898535 | ISBN13 Softcover: 9781799898528

5% Pre-Pub Discount

Buy Hardcover
Qty: 1 \$237.50
List Price: \$250.00
You Save: \$12.50
Add to Cart

Benefits & Incentives
• 5% Discount on all Forthcoming Reference Books*
• Printed-On-Demand (POD)
• Usually ships one day from order

Available in GOBI®
Available in OASIS®
Share
Recommend to Librarian

Hardcover: \$237.50
List Price: \$250.00
Forthcoming
Benefits & Incentives

E-Book: \$213.75
(Multi-User License) List Price: \$250.00
Available
Benefits & Incentives

Hardcover + E-Book: \$285.00
(Multi-User License) List Price: \$300.00
Forthcoming
Benefits & Incentives

Softcover: \$180.50
List Price: \$190.00
Forthcoming
Benefits & Incentives

OnDemand: \$37.50
(Individual Chapters)
Available
Benefits & Incentives

Navigate This Page
Description & Coverage
Table of Contents
Editorial Policy
Peer Review Process
Ethics & Malpractice
Archiving



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicbh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

igi-global.com/book/green-chemistry-development-eco-friendly/281731#description

Navigate This Page

- Description & Coverage
- Table of Contents
- Editorial Policy
- Peer Review Process
- Ethics & Malpractice
- Archiving

Table of Contents

Search this Book: [Search](#) [Reset](#)

Table of Contents	View Full PDF
Detailed Table of Contents	View Full PDF
Foreword	View Full PDF
Nitin Nema	
Preface	View Full PDF
Kavita Shakya Chahal, Twinkle Solanki	
Acknowledgment	View Full PDF
Kavita Shakya Chahal, Twinkle Solanki	
Chapter 1	\$37.50
Effective Utilization of Thermal Power Plant Waste Fly Ash for Value Addition of Plastic Products: A Conceptual Use of Fly Ash in Polymeric Materials (pages 1-23)	Add to Cart
Omdeo Kishorao Gohatre, Subhaprada Sahoo, Kashmira Majhi, Sunil S. Suresh, Jaidev K.	
Over recent decades, most plastic materials processed by incorporating some fillers in it. In this regard, many researchers have continued to close... Sample PDF	
Chapter 2	\$37.50
HyLaw or Hydrogen Law: A Regulation for Removal of Legal Barriers to the Deployment of Fuel Cells and Hydrogen Applications (pages 24-42)	Add to Cart
Nima Norouzi	
In recent years, hydrogen technology has been at the forefront of environmental discussions to meet increasingly tough climate protection goals and... Sample PDF	
Chapter 3	\$37.50
Evaluating Wastes as Low-Cost Substrates for Use in Microbial Citric Acid Production	Add to Cart



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicbh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

igi-global.com/book/green-chemistry-development-eco-friendly/281731#description

Navigate This Page

- Description & Coverage
- Table of Contents
- Editorial Policy
- Peer Review Process
- Ethics & Malpractice
- Archiving

Chapter 3

\$37.50

[Evaluating Wastes as Low-Cost Substrates for Use in Microbial Citric Acid Production \(pages 43-76\)](#)

[Add to Cart](#)

Chapter 4

\$37.50

[Green Polymer Chemistry and Bio-Based Plastic \(pages 77-103\)](#)

[Add to Cart](#)

Chapter 5

\$37.50

[Green Solvents for Sustainable Organic Synthesis: An Overview \(pages 104-128\)](#)

[Add to Cart](#)

Chapter 6

\$37.50

[Recycled Raw Banana Peels for Bioplastics \(pages 129-141\)](#)

[Add to Cart](#)

Buy Hardcover

Qty: 1 **\$237.50**

List Price: \$250.00

You Save: \$12.50

[Add to Cart](#)

Benefits & Incentives

- 5% Discount on all Forthcoming Reference Books*
- Printed-On-Demand (POD)
- Usually ships one day from order

Urban Environments

© 2023. 299 pages

Digitalization, New Media, and Education for Sustainable Development

© 2023. 334 pages

[More Environment & Agriculture Titles >](#)

Published by – Dr. Kavita Chahal



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

6/26/24, 12:54 PM

Process Biochemistry | Journal | ScienceDirect.com by Elsevier



ScienceDirect

Process Biochemistry

Supports open access

8.3

CiteScore

4.4

Impact Factor

[Submit your article](#)

[Guide for authors](#)

[Menu](#)



[Search in this journal](#)

About the journal

Process Biochemistry is an application-orientated research journal devoted to reporting advances with originality and novelty, in the science and technology of the **processes** involving **bioactive molecules** and living **organisms**. These processes concern the production of useful metabolites or ...

[View full aims & scope](#)

\$4050 ⓘ

Article publishing charge
for open access

23 days

Time to first decision

41 days

Review time

115 days

Submission to acceptance



[View all insights](#)

Editors-in-Chief

[View full editorial board](#)



Joseph Boudrant, Doctor of Science, PhD

UL University, Nancy, France



Emmanuel Guedon

CNRS Délégation Centre-Est, Vandoeuvre Les Nancy, France



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

Process Biochemistry

Submit your article



Article preview

Research article ☐ Abstract only

Cloning and characterization of a novel GH75 family chitosanase from *Penicillium oxalicum* M2

Shining Cao, Pei Gao, Wenshui Xia, Shaoquan Liu, Xiaoli Liu
Pages 41-52

Article preview

Research article ☐ Abstract only

Valorization of rice milled by-products (rice husk and de-oiled rice bran) into α -amylase with its process optimization, partial purification and kinetic study

Ankita Rathi, Nisha Gupta, Vani Dhruw, Esmil Beliya, ... S.K. Jadhav
Pages 101-113

Article preview

Research article ☐ Abstract only

The influence of substrate systems on the enantioselective and lipolytic activity of immobilized Amano PS from *Burkholderia cepacia* lipase (APS-BCL)

Jacek Dułęba, Tomasz Siódmiak, Michał Piotr Marszałł
Pages 126-137

Article preview

Research article ☐ Abstract only

Introducing a covalent thiol-based protected immobilized acetylcholinesterase with enhanced enzymatic performances for biosynthesis of esters

Saeed Reza Hormozi Jangi, Morteza Akhond
Pages 138-155

Article preview

Research article ☐ Abstract only

Increased thermal stability of the carbonic anhydrase enzyme complex for the efficient reduction of CO₂ through cyclization and polymerization by peptide bonding

Habin Sun, JooHee Han, YeWon Jo, Sung Ok Han, Jeong Eun Hyeon
Pages 195-201

Published by – Dr. Esmil Beliya



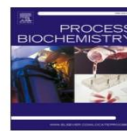
ELSEVIER


Process Biochemistry 120 (2022) 101–113

Contents lists available at ScienceDirect

Process Biochemistry

journal homepage: www.elsevier.com/locate/procbio





Valorization of rice milled by-products (rice husk and de-oiled rice bran) into α -amylase with its process optimization, partial purification and kinetic study

Ankita Rath^{a,1}, Nisha Gupta^{a,1}, Vani Dhruw^a, Esmil Beliya^{a,b}, Shubhra Tiwari^a, Jai Shankar Paul^{a,*}, S.K. Jadhav^a

^a School of Studies in Biotechnology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, CG 492 010, India
^b Department of Botany, Govt. College, Bichhua, Chhindwara, MP 480111, India

ARTICLE INFO

Keywords:
 α -Amylase
 Agro-waste
 Rice bran
 Rice milled by-products
 Valorization
 Solid waste management

ABSTRACT

A massive amount of waste is generated globally from agriculture sector annually that offers potential feedstock for biorefineries. Undoubtedly α -amylase has become the backbone of starch-based industries. It is a crucial amylolytic enzyme possessing versatile applications. An expensive synthetic substrate that is non-eco-friendly and toxic is not sustainable enough for large scale enzyme production. The agricultural residues should be employed as they are the low-budget production medium with high yield and are eco-friendly. Thus, current study deals with the valorization of agricultural by-products for α -amylase production. Two divergent rice-milled by-products (de-oiled rice bran and rice husk) were investigated to ascertain the best economical medium for α -amylase production. The study deals with production, partial purification and kinetics analysis of α -amylase from rice milled by-products by two bacteria (*Staphylococcus aureus* MTCC 3160 and *Bacillus subtilis* MB6). Out of all combinations, the best production (161.45 ± 2.60 U/mL) was obtained in DORB, *S. aureus*. The K_m and V_{max} values of DORB, *S. aureus* were 1.468 mg/mL and 34.722 mg/mL/min respectively. The study provides a roadmap for significant consumption of agricultural by-products. The study highly recommends researchers to explore some more agricultural residues as an eco-friendly and inexpensive medium to synthesize various bio-products under green technology.

1. Introduction

α -Amylase (1,4- α -D-glucan glucanohydrolase, EC 3.2.1.1) is a hydrolytic endoenzyme that preferentially cleaves the α -1,4 linkages of the α -polysaccharides resulting in the formation of short-chain oligosaccharides including maltose, maltotriose and limit dextrin [1]. α -amylase belongs to the family 13 of Glycoside Hydrolase (GH) which has a total of 131896 members (<http://www.cazy.org/GH13.html> as of May 11th, 2022). The microorganism sources are the most preferred for large scale α -amylase production due to their easy and faster cultivation, simple nutritional requirement and ease of manipulation. α -Amylase poses applications in several industrial sectors such as food, textile, laundry, pharmaceutical and paper [2–4]. The research related to α -amylase production has widened in several aspects mainly focusing on cheaper and sustainable production. Agro-waste represents the potent feedstock

for manufacturing different value-added products such as hydrolytic enzymes. The foremost benefit of using these agro-residues is their cost-effectiveness, biodegradable nature, and relatively more native to the microorganism than synthetic media. Every year an enormous amount of agricultural by-products is generated. For their management, they are served as animal feed or sometimes dumped in a landfill or burned. The burning of these valuable feedstock releases various poisonous gases that raise serious environmental concerns. Therefore, instead of burning the leftover residue of agricultural fields can be utilized for industrial-scale bio-product formation. This approach is economical and sustainable.

Rice (*Oryza sativa* L.) is the staple food crop in many Asian countries. In India, it is grown in more than one-fifth of the total gross area of cropping and therefore contributes about one-fourth of total calorie intake [5]. India with a total production of 145,777MT in 2020 is the

* Corresponding author.
 E-mail address: jaisankar_paul@yahoo.com (J.S. Paul).
¹ These authors contributed equally as first author.

<https://doi.org/10.1016/j.procbio.2022.06.006>
 Received 7 February 2022; Received in revised form 13 May 2022; Accepted 4 June 2022
 Available online 8 June 2022
 1359-5113/© 2022 Elsevier Ltd. All rights reserved.



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicbh@mp.gov.in

<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

January To March 2023
E-Journal
Volume I, Issue XLI

RNI No. – MPHIN/2013/60638
ISSN 2320-8767, E-ISSN 2394-3793
Scientific Journal Impact Factor - 7.671

Naveen Shodh Sansar

(An International Refereed/ Peer Review Research Journal)

नवीन शोध संसार

Editor - Ashish Narayan Sharma

Office Add. "Shree Shyam Bhawan", 795, Vikas Nagar Extension 14/2, NEEMUCH (M.P.) 458441, (INDIA)
Mob. 09617239102, Email : nssresearchjournal@gmail.com, Website www.nssresearchjournal.com



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968, Email: hegcbicbh@mp.gov.in

<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001



Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 7.671
January to March 2023, E-Journal, Vol. I, Issue XLI

31. जनांकिकीय परिवर्तन : मानव संसाधन एवं आर्थिक विकास (डॉ. खुमेश सिंह ठाकुर, डॉ. जी. एल. मालवीय)	96
32. महादेवी वर्मा और स्त्री विमर्श (डॉ. श्रीमती बिन्दू परस्ते)	101
33. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में नारियों का योगदान (डॉ. कुन्ती वराठे)	103
34. आत्मनिर्भर भारत में MSME का विकास एवं चुनौतियाँ (डॉ. गौरव विद्यार्थी)	106
35. मेक इन इंडिया अभियान में MSME की भूमिका (डॉ. खुशबू परिहार)	108
36. भारत में जल संसाधनों की संभाव्यता एवं प्रबंधन (डॉ. विमा वासुदेव)	110
37. महिला सशक्तिकरण के लिए सर्वांगीण विकास (डॉ. प्रेरणा मित्रा)	113
38. बाजरा पोषक तत्व और संभावित स्वास्थ्य लाभ - एक समीक्षा (डॉ. प्रियंका देवड़ा)	115
39. पाटीदारों के धार्मिक स्थल (रीना पाटीदार)	118
40. भारतीय महिला वैज्ञानिकों के ऐतिहासिक योगदान एवं भविष्य के पहलू (प्रो. खुशबू मंडावरा)	120
41. भारतीय स्वरूप में गिग अर्थव्यवस्था (डॉ. लारेन्स कुमार बौद्ध)	124
42. कौशल विकास द्वारा नौकरी और करियर में सफलता के लिए योग के फायदे (डॉ. सोनाली सिंह)	126
43. जैविक कृषि की लाभदायकता में वृद्धि तथा विकास हेतु प्रमुख उपायों का विश्लेषण (डॉ. जगेन्द्र घोटे)	129
44. Women Empowerment in India (Sachin Carpenter)	131
45. A Short Review-Women in Leadership (Sheetal Shirmal)	134
46. Sudha Murthy: An Epitome of Women Empowerment (Sourabh Dubey)	140
47. Co-Existence of Forest and Human Beings (Dr. Jolly Garg)	143
48. Noise Pollution - Effect Of Noise On Man (Dr. Malti Dubey)	147
49. वेदेषु-वर्णित राष्ट्रधर्म (डॉ. बृजेन्द्र कुमार पाण्डेय)	150
50. 'गुजरात पाकिस्तान से गुजरात हिंदुस्तान' उपन्यास में विभाजन की त्रासदी (डॉ. अनुसूइया अग्रवाल (डी.लिट.), मासूम वर्मा)	154
51. रूस-यूक्रेन युद्ध : वैश्विक मानवाधिकार संकट (रजनी गगवानी)	156
52. सामासिक संस्कृति के कुछ और रूप (डॉ. गीता कुमारी)	160
53. भारत मे दल-बदल कानून का विवेचन (डॉ. महेंद्र सिंह राजपुरोहित, मुकेश कुमार कुमावत)	162
54. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मध्यप्रदेश में इथनो खाद्य फसलों की स्थिति एवं उनका विवरण (डॉ. राजेश बकोरिया)	165
55. नवगीत : आधुनिक हिन्दी काव्य की नई परम्परा (डॉ. डी.पी. चन्द्रवंशी)	168
56. श्री प्रणव कुमार वंद्योपाध्याय के 'गोपीगंज संवाद' उपन्यास का सांस्कृतिक मूल्यों के बिखराव का विघटन	170
के संदर्भ में मूल्यबोध का विश्लेषणात्मक अध्ययन (डॉ. प्रणव श्रोत्रिय, मीनाक्षी गुप्ता)	
57. गोविन्द मिश्र के उपन्यासों की भाषागत : शैलीगत विशेषताएँ (डॉ. दमयन्ती मरांडी)	172
58. भारत में दलित संघर्ष तथा तात्कालिक मुद्दे (डॉ. विनीता मालसे, डॉ. गिरधारीलाल मालसे)	177
59. Role of Plants on Mankind Special Reference to Health Issues (Dr. Dinisha Malviya)	180
60. Significance on Physicochemical Properties of Soil for Soil Quality Assessment (Harish Raghunath Khairanar, Dr. Pramod Pandit, Dr.Dhananjay Dwivedi)	182
61. कलचूरी राजवंश का विस्तार (डॉ.विनोद राय)	186
62. Sulfa Drugs: Classification Functions and Side-Effects (Dr. Nasreen Anjum Khan)	189
63. An Overview of the Internationalisation of the Healthcare Industry, or "Medical Tourism" (Dr. Preeti Anand Udaipure)	192
64. रामचरित मानस में केवट प्रेम - प्रसंग (डॉ. के. आर. सूर्यवंशी)	198

www.nssresearchjournal.com

Page 3



Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111



Mobile: +91 9425425968,



Email- hegcbicchh@mp.gov.in



<https://www.govtcollegebichhua.org>, <https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109>



Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001



Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 7.671
January to March 2023, E-Journal, Vol. I, Issue XLI

Sulfa Drugs: Classification Functions and Side-Effects

Dr. Nasreen Anjum Khan*

*Assistant Professor (Chemistry) Government College, Bichhua, Distt. Chhindwara (M.P.) INDIA

Abstract - Sulfonamide is a functional group (a portion of a molecule) that serves as the base for many drug classes known as sulfa drugs, sulfonamides, or sulpha drugs. Synthetic (non-antibiotic) antimicrobial agents containing the sulfonamide group were the first antibacterial sulfonamides. Few sulfonamides, such as the anticonvulsant sultiamide, have no antibacterial function. Sulfadiazine (SDZ) is another frequently employed sulfonamide drug that is used in combination with the anti-malarial drug pyrimethamine to treat toxoplasmosis in warm-blooded animals. Thiazide and combination with the anti-malarial drug pyrimethamine to treat toxoplasmosis in warm-blooded animals. Sulfonamide allergies are normal. Since the average rate of adverse drug reactions to sulfa antibiotics is about 3%, equivalent to penicillin, drugs including sulfonamides should be avoided. The first widely effective antibacterials that will be used systemically were sulfonamide medicines, which laid the groundwork for the antibiotic revolution throughout medicine.

Keywords- Sulfonamide, Sulfamethazine, Sulfadiazine, Toxicology, Environment, Bio-macromolecules.

Classification of Sulfonamides: Depending on the chemical composition, sulfonamide drugs are considered to be divided into two categories. Antibiotic drugs are by far the most popular. They stop bacteria from spreading (bacteriostatic), but they wouldn't destroy the ones that are already there. Trimethoprim, a bactericidal agent, is often mixed with sulfonamides.¹ Antibacterial effects are not found in other forms of sulfonamides. Carbonic anhydrase inhibitors (CAIs), cyclooxygenase 2 (COX-2) inhibitors, loop diuretics, thiazide diuretics, and sulfonylureas are the different types of diuretics.

- CA inhibitors are mainly used to treat glaucoma (inflammation of the optic nerve in the eye) by lowering intraocular fluid pressure.
- Another sulfonamide, zonisamide, is a CA inhibitor that is often preferred for treating seizures. The exact mechanism of zonisamide's action is still unknown.
- Thiazide diuretics have been used to cure hypertension (high blood pressure). They induce diuresis, or excessive urination, which helps reduce blood pressure. Loop diuretics, on the other hand, have been used to treat hypertension caused by heart failure. They trigger diuresis as well, but not in the same way as thiazide diuretics.²
- COX-2 inhibitors are a kind of non-steroidal anti-inflammatory drug that works by affecting the COX-2 enzymes throughout the body, which are accountable for pain and inflammation symptoms.
- Type 2 diabetes is treated with sulfonylureas. They instruct the pancreas to produce additional insulin, which helps to lower blood sugar levels in the body

Functions:

- Antibacterial sulfonamides suppress the enzyme dihydropteroate synthase (DHPS), which is included in folate synthesis in bacteria, by acting as competitive inhibitors. Sulfonamides too are bacteriostatic, inhibiting bacteria's production and replication but not killing them.³
- Humans, unlike bacteria, derive folate (vitamin B9) from their food. Sulfonamides have antifungal and antimalarial properties that are involved in treating allergies and cough.
- Other non-antimicrobial drugs which contain the moiety include thiazide diuretics (such as metolazone, hydrochlorothiazide, and indapamide), acetazolamide, loop diuretics (such as bumetanide, furosemide, and torsemide), sulfonylureas (such as glyburide and glipizide), and certain COX-2 inhibitors.⁴
- In comparison to being an antibiotic, sulfasalazine can also be used to cure inflammatory bowel disease.

History: The first widely active antibacterials that can be used systemically were sulfonamide medicines, which opened the way for the antibiotic revolution in medicine. Prontosil was the very first sulfonamide, and it was a prodrug. Studies with Prontosil actually started in 1932 in the Bayer AG laboratories, which were then part of the massive German chemical conglomerate IG Farben. Coal-tar dyes that bind selectively to bacteria and parasites, according to the Bayer team, could have been used to destroy pathogenic substances in the body.

With years of futile trial-and-error research over hundreds of dyes, a group coached by physician/researcher Gerhard Domagk finally discovered one that did work: a red dye produced by Bayer chemist Josef Klarer which had a significant effect on preventing certain infectious (bacte-

www.nssresearchjournal.com

Page189

By - Dr. Nasreen Anjum Khan